47

" DH. KAGHUBIR SINH: In case they are teachers and social workers, how is it that they are unemployed?

DR K. L. SHRIMALI: I have not been able to follow the question, Sir.

DR, RAGHUBIR SINH: If a person is already working as a teacher or a social worker, he is employed. How can he be an unemployed person then?

DR. K. L. SHRIMALI: The people who were unemployed were recruited as teachers and social workers.

PROF. G. RANGA: Has any effort been made to see that these people who have come to be employed in this manner temporarily come to be permanently employed, and, if so, in what proportion?

Dr. K. L. SHRIMALI: I shall need notice to answer that.

YOUTH OR STUDENT CAMPS

- *18. SHRI D. NARAYAN: Will the Minister for EDUCATION be pleased to state:
- (a) the number of youth or student camps held in each State from 1st April 1955 to 30th November 1955;
- (b) the expenditure incurred on the camps; and
- (c) the work done by these camps in general?

THE DEPUTY MINISTER FOR EDUCATION (DR. K. L. SHRIMALI): (a) and (b). A statement is laid on j the Table of the

(c) Main activities are construction of roads and bunds, desilting of tanks '. and ponds, soil conservation, affore- i station by boys and improvement in ; the field of health and hygiene by girls.

Statement showing the number of j Youth Camps held State-wise

the 1st April 1955 up to the 30th November 1955 and the amount sanctioned for these Camps

to Questions

State	No. of Camps	Amount Sanctioned Rs.
Ajmer	7	20,904
Andhra	4.9	1,80,650
Assam	22	52, 456
Bihar	1	1,938
Bombay	114	4,60,147
Coorg		8,479
Delhi	11	81,315
Himachal		
Pradesh	20	60,801
Kutch	2	5,557
Hyderabad	45	2,35,021
Madhya Bharat	30	89,939
Madhya		
Pradesh	29	1,17,693
Madras	65	3,70,055
Manipur *	. 5	18,579
Mysore :	ب	1,850
Orissa	24	73,873
PEPSU :	14.5	17,660
Pondicherry	6	18,900
Punjab	46	1,62,348
Rajasthan	61	2,84,364
Saurashtra	32	66,037
Travancore-		-
Cochin	46	2,09,947
Uttar Pradesh	76	2,81,951
Vindhya		
Pradesh	10	21,723
West Bengal	130	3,70,649
N.C.C.		
Directorate	68	14,00,000
TOTAL	909	46,12,836

श्री देवकीनन्दन : क्या मंत्री महोदय, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि जो काम इन कैम्पों में इस दिमयान में हुआ उसकी क्या कोई कीमत आकी गई है और यदि गई है तो कुल कितनी कीमत का काम हक्रा ?

डा० के० एल० श्रीमाली : मैं ग्रभी इसका जबाव नहीं दे सकता हूं लेकिन कीमत की दृष्टि से काम नहीं किया गया है जितना धन खर्च होता है उसी दृष्टि से देखा जाता है बल्कि नीजवानों को जो इससे शिक्षाः मिलती है उसे महत्व दिया गया है।

भी वेदकीनस्वतः क्यामें मंत्री महोदय से यह जान मकता हूं कि साधारणतया वे कैम्प कितने दिनों के लिये हुये हैं और इन नवयुवकों से रोजाना कितने घंटे काम . लिया जाना था?

डा॰ के॰ एल॰ श्रीमाली : इसके निये नोटिस चाहिये क्योंकि यलग यलग कैम्पों मे यलग यलग टाइमिन्स रहनी है।

भी देवकीनम्दन: मैं साधारणतया ही जानना चाहता ह ।

डा० के० एत० श्रीमाली : मैं इसके लिये नोटिस चाहता हूं।

SHRI KISHEN CHAND: May I know if it is a fact that the expenditure on these camps is far in excess of the work turned out by these camps, even considering the educational value of these camps?

DR. K. L. SHRIMALI: Sir, the main purposes of these camps are certainly the nation-building works which we are taking up, but the primary purpose of these camps is to develop in students a sense of dignity for labour and to develop a spirit of co-operation and national consciousness. If we judge these camps from that point of view I am certain that they have been very successful. They have aroused a good deal of enthusiasm among the youths and students and these camps have directed their energies in productive channels. Therefore from that point of view I think these camps are very successful.

भी वेशकीनम्बन : क्या मंत्री महोदय क्षप्त बतलाने की कृषा करेंगे कि इन नवयुवकों से श्रम लिखे जाने के बाद इन कैम्पों में उनको ग्रीर भी कोई शिक्षा देने की व्यवस्था की गई थी ? यदि की गई थी तो उसकी क्या तजबीज भी ? एजुकेशन मिनिस्ट्री ने उनका कोई बौद्धिक श्रभ्यासकम निश्चित किया है ?

डा० के० एल० श्रीमानी : इसके लिये, मुझे नोटिस चाहिये।

श्रीमती चन्द्रावती लखनपाल : जो कैम्प एजुकेशन मिनिस्ट्री की ओर से श्रायोजित हुये उनमें से कुछ कैम्प ऐसे भी थे जो कि भारत सेवक समाज की श्रोर से महिलाओं श्रीर छात्राश्रों के लिए श्रायोजित किये गये थे । मैं माननीय शिक्षा मंत्री से जानना चाहती हूं कि इन कैम्पों की संख्या कितनी थी ? दूसरी बात यह कि किस प्रान्त में सबसे ग्रधिक ये कैम्प लगाये गये श्रीर तीसरी बात यह कि कितने कैम्प ऐसे हैं जिनका श्रभी तक एकाउंट साफ नहीं किया गया है ?

डा० के० एल० श्रीमाली : इसके लिये मुझे नोटिस चाहिये।

श्री देवकीनन्दन : लड़िकयों के जो कैम्प लगाये गये वहां लड़िकयों से कौन सा काम लिया गया, क्या यह बतलाया जा सकता है ?

डा० के० एल० श्रीमाली : वह तो मैं बतला चुका हूं कि लड़कियों से जो काम लिया था वह स्वास्थ्य सम्बन्धी श्रीर हाइजीन सम्बन्धी था ।

MR. CHAIRMAN: Next question. No. 19.

SHRI BHUPESH GUPTA: I do not wish to put this Question, Sir. I da not want to proceed with this Question as I have just heard the news of the death of Shri Meghnad Saha, and in such a situation I do not think I should pursue this question *or* otherwise participate.

11-38 а.м.

(Questions over.)